http://www.elearninginfo.in

TDC SYLLUBUS (NEP- 2020)
HINDI
First Semester
SEC -101
Credit - 3
HINDI BHASHA KA VYAVHARIK VYAKARAN
हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा के व्यवहारिक व्याकरण से अवगत कराना तथा हिन्दी भाषा –रचना के प्रकार एवं प्रक्रिया का सम्यक बोध कराना है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी हिन्दी भाषा के स्वरूप, वर्गीकरण आदि के साथ-साथ देवनागरी लिपि, शाब्दिक व्यवस्था, वाक्य विन्यास, पदबंध आदि के विकास, विशेषता एवं वैज्ञानिक प्रक्रिया की समझ विकसित कर पाएंगे।

इकाई एक : भाषा और व्याकरण

1.1 – भाषा की परिभाषा, भाषा के अंग एवं भाषा की विशेषताएँ।
1.2 – व्याकरण की परिभाषा एवं महत्त्व।
1.3 – भाषा और व्याकरण का अंतः संबंध।

इकाई दो : हिंदी की ध्वनि व्यवस्था, हिंदी की लिपि एवं वर्तनी

2.1 –हिंदी भाषा ध्वनि के भेद (स्वर और व्यंजन तथा उनका वर्गीकरण, अनुस्वार और अनुनासिकता)। संधि, अक्षर एवं उच्चारण शैली(बलाघात, अनुतान एवंसंगम)।
2.2 – देवनागरी लिपि एवं उसकी विशेषताएँ। देवनागरी हिंदी वर्णमाला और उसका मानकीकरण। वर्तनी से अभिप्राय एवं शुद्ध वर्तनी का महत्त्व।
2.3 – हिंदी शब्दों में अशुद्ध वर्तनी के प्रयोग के मुख्य कारण तथा हिंदी शब्दों की वर्तनीगत शुद्ध रूप।

इकाई तीन : हिंदी में शब्द और शब्द–वर्ग

3.1 – शब्द की अवधारणा, शब्द और वाक्य, शब्द और पद।
3.2 – शब्दों के प्रमुख वर्गीकरण यथा स्रोत के आधार पर (तत्सम,तद्भव, देशज एवं विदेशी), अर्थ के आधार पर (एकार्थी, अनेकार्थी, समानार्थी या पर्याय तथा विलोम), रचना के अधार पर (रूढ़, यौगिक एवं योगरूढ़) तथा रूपविकार के आधार पर (विकारी एवं अविकारी) की सामान्य जानकारी।
3.3 – हिंदी में शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ : संज्ञा,सर्वनाम, विशेषण और क्रिया (केवल परिभाषा और भेद)। लिंग, वचन और कारक।
3.4 – हिंदी में अव्यय : क्रियाविशेषण, समुच्च्यबोधक,संबंध बोधक ,

विस्मयादिबोधक एवं निपात की सामान्य जानकारी।

इकाई चार : हिंदी में शब्द–रचना

4.1 –शब्द रचना और उसका महत्त्व। रूपसाधक रचना और शब्दसाधक रचना तथा इनमें अंतर।

4.2 – शब्दरचना की युक्तियाँ : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास एवं युग्म–पुनरूक्त शब्द।

4.3 – शब्दगत अशुद्धियाँ एवं उनके शुद्ध रूप।

इकाई पाँच : वाक्य विचार

5.1 – वाक्य की अवधारणा , वाक्य के घटक एवं वाक्य रचना के तत्व।

5.2– हिंदी में पाये जाने वाले प्रमुख वाक्यसाँचे।

5.3 – पदबंध और उनके प्रकार : संज्ञापदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध एवं क्रियाविशेषण पदबंध ।

5.4– वाक्य के भेद : अर्थ के आधार पर एवं रचना के आधार पर वाक्य भेद।

5.5– वाक्य रूपांतरण : संरचना की दृष्टि से, अर्थ की दृष्टि से एवं वाच्य की दृष्टि से वाक्य रूपांतरण।

5.6 – वाक्यगत अशुद्धियाँ और उनके शुद्धरूप ।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णाक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची : हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

1. व्यावहारिक हिंदी व्याकरण और वार्तालाप : चतुर्भुज सहाय एवं अरुण चतुर्वेदी

प्रकाशक– केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005 (उ0प्र0)
2. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : स0 चतुर्भुज सहाय अरुण चतुर्वेदी प्र0 केन्द्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा– 282005 (उ0प्र0)
3. व्यावहारिक हिंदी संरचना और अभ्यास : प्र0 स0 महावीर सरन जैन, केन्द्रीय हिंदीसंस्थान आगरा।
4. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण : रमेश मेहरोत्रा : वाणी प्रकाशन दिल्ली।